कुरुक्षेत्रविश्वविद्यालयः, कुरुक्षेत्रम्
KURUKSHETRA UNIVERSITY KURUKSHETRA

बी.ए.-प्रतिष्ठा, संस्कृतम्, द्वितीयो भागः (द्वितीयं वर्षम्)
B.A. Honours in Sanskrit, Part-II (Second Year)

तृतीयसत्रम्
Third Semester

2013-2014 सत्रतः (w.e.f. Session : 2013-2014)

Paper – V : स्वप्नवासवदत्तम्
(Svapnavasavadattam)

पूर्णाङ्कः 80
आन्तरिकमूल्याङ्कनाङ्कः 20
समयः 3 होराः

घटकम्-I: भासः, स्वप्नवासवदत्तम्– 16अङ्काः
(क) सप्रसंगं व्याख्या/अनुवादः। (10अङ्काः)
(ख) अंकसारः। (6अङ्काः)

घटकम्-II: स्वप्नवासवदत्तसम्बद्धं लेखकं स्वप्नवासवदत्तं वा आश्रित्य एकः आलोचनात्मकः प्रश्नः। 16अङ्काः

घटकम्-III: स्वप्नवासवदत्तम्– पात्राणां चरित्रचित्रणम्। 16अङ्काः

घटकम्-IV: स्वप्नवासवदत्ते प्रयुक्ताः पारिभाषिकशब्दाः – 16अङ्काः
सूत्रधारः, नान्दीपाठः, विदूषकः, प्रस्तावना, विष्कम्भकम्, आधिकारिकवृत्तम्, प्रासङ्गिकवृत्तम्।

विशेष निर्देश–

1. प्रश्न-पत्र अधिकतम **80** अङ्कों का होगा। **20** अङ्क आन्तरिक मूल्यांकन के लिये निर्धारित हैं।
2. प्रश्न-पत्र में कुल **पाँच** प्रश्न दिये जाएँगे। प्रत्येक प्रश्न **16** अङ्कों का होगा। **प्रथम प्रश्न** पाठ्यक्रम में निर्धारित चारों घटकों पर आधारित तथा अनिवार्य होगा। इसके अन्तर्गत लघु उत्तर वाले विकल्परहित आठ (8) प्रश्न पूछे जाएँगे। प्रत्येक लघूत्तरात्मक प्रश्न दो (2) अङ्कों का होगा। शेष चार प्रश्नों में पाठ्यक्रम के प्रत्येक घटक से दो वैकल्पिक प्रश्न दिये जाएँगे। परीक्षार्थी को इनमें से प्रत्येक घटक के एक एक प्रश्न का उत्तर लिखना होगा।
3. प्रश्न-पत्र हल करने का समय तीन (3) घण्टे होगा।

प्रश्नपत्र-निर्माण के लिये निर्देशः-

1. प्रश्नपत्र में कुल पाँच (5) प्रश्न दिये जाएँ। प्रश्नपत्र के लिये कुल 80 अङ्क निर्धारित हैं। सभी प्रश्न समानाङ्क होंगे अर्थात् प्रत्येक प्रश्न सोलह (16) अङ्कों का होगा। प्रश्न-पत्र हल करने का समय तीन (3) घण्टे होगा।

2. **प्रथम प्रश्न** पाठ्यक्रम के चारों घटकों में निर्धारित विषयों के आधार पर बनाया जाए। यह प्रश्न अनिवार्य होगा। इसके अन्तर्गत लघु उत्तर वाले विकल्परहित आठ (8) प्रश्न पूछे जाएँ। प्रत्येक लघूत्तरात्मक प्रश्न दो (2) अङ्कों का होगा।
3. द्वितीय, तृतीय, चतुर्थ तथा पञ्चम प्रश्न का निर्माण पाठ्यक्रम के क्रमशः प्रथम, द्वितीय, तृतीय तथा चतुर्थ घटक में निर्धारित विषय के आधार पर किया जाए। पाठ्यक्रम के प्रत्येक घटक से दो वैकल्पिक प्रश्न देकर परीक्षार्थी से प्रत्येक घटक से एक एक प्रश्न का उत्तर लिखने को कहा जाए।

☼

Paper – VI : काव्यदीपिका वृत्तरत्नाकरः च
(Kavyadipika Vrittaratnakarah Cha)

पूर्णाङ्काः 80
आन्तरिकमूल्याङ्कनाङ्काः 20
समयः 3 होराः

घटकम्-I: काव्यदीपिका– प्रथमशिखा। 16अङ्काः

घटकम्-II: काव्यदीपिका– द्वितीयशिखा। 16अङ्काः

घटकम्-III: काव्यदीपिका– तृतीयशिखा (श्लोकसंख्या 1–20): आलोचनात्मकः प्रश्नः। 16अङ्काः

घटकम्-IV: वृत्तरत्नाकरः – अधोलिखितानि छन्दांसि– आर्या, अनुष्टुप्, इन्द्रवज्रा, उपेन्द्रवज्रा, उपजातिः, वंशस्थम्, द्रुतविलम्बितम्, भुजंगप्रयातम्, वसन्ततिलका, मालिनी, पंचचामरम्, शिखरिणी, मन्दाक्रान्ता, शार्दूलविक्रीडितम्, स्रग्धरा, पुष्पिताग्रा। 16अङ्काः

विशेष निर्देश–

1. प्रश्न-पत्र अधिकतम **80** अङ्कों का होगा। **20** अङ्क आन्तरिक मूल्यांकन के लिये निर्धारित हैं।
2. प्रश्न-पत्र में कुल **पाँच** प्रश्न दिये जाएँगे। प्रत्येक प्रश्न **16** अङ्कों का होगा। **प्रथम प्रश्न** पाठ्यक्रम में निर्धारित चारों घटकों पर आधारित तथा अनिवार्य होगा। इसके अन्तर्गत लघु उत्तर वाले विकल्परहित आठ (8) प्रश्न पूछे जाएँगे। प्रत्येक लघूत्तरात्मक प्रश्न दो (2) अङ्कों का होगा। शेष चार प्रश्नों में पाठ्यक्रम के प्रत्येक घटक से दो वैकल्पिक प्रश्न दिये जाएँगे। परीक्षार्थी को इनमें से प्रत्येक घटक के एक एक प्रश्न का उत्तर लिखना होगा।
3. प्रश्न-पत्र हल करने का समय तीन (3) घण्टे होगा।

—

प्रश्नपत्र-निर्माण के लिये निर्देशः-

1. प्रश्नपत्र में कुल पाँच (5) प्रश्न दिये जाएँ। प्रश्नपत्र के लिये कुल 80 अङ्क निर्धारित हैं। सभी प्रश्न समानाङ्क होंगे अर्थात् प्रत्येक प्रश्न सोलह (16) अङ्कों का होगा। प्रश्न-पत्र हल करने का समय तीन (3) घण्टे होगा।
2. **प्रथम प्रश्न** पाठ्यक्रम के चारों घटकों में निर्धारित विषयों के आधार पर बनाया जाए। यह प्रश्न

अनिवार्य होगा। इसके अन्तर्गत लघु उत्तर वाले विकल्परहित आठ (8) प्रश्न पूछे जाएँ। प्रत्येक लघूत्तरात्मक प्रश्न दो (2) अङ्कों का होगा।

3. द्वितीय, तृतीय, चतुर्थ तथा पञ्चम प्रश्न का निर्माण पाठ्यक्रम के क्रमशः प्रथम, द्वितीय, तृतीय तथा चतुर्थ घटक में निर्धारित विषय के आधार पर किया जाए। पाठ्यक्रम के प्रत्येक घटक से दो वैकल्पिक प्रश्न देकर परीक्षार्थी से प्रत्येक घटक से एक एक प्रश्न का उत्तर लिखने को कहा जाए।

☼

Paper – VII : वैदिकसाहित्यम्
(Vaidikasahityam)

पूर्णाङ्काः 80
आन्तरिकमूल्याङ्कनाङ्काः 20
समयः 3 होराः

घटकम्-I: संहिता– ऋग्वेदः, यजुर्वेदः, सामवेदः, अथर्ववेदः।	16अङ्काः
घटकम्-II: ब्राह्मणानि, आरण्यकानि च।	16अङ्काः
घटकम्-III: उपनिषदः।	16अङ्काः
घटकम्-IV: वेदांगानि।	16अङ्काः

विशेष निर्देश–

1. प्रश्न-पत्र अधिकतम **80** अङ्कों का होगा। **20** अङ्क आन्तरिक मूल्यांकन के लिये निर्धारित हैं।
2. प्रश्न-पत्र में कुल **पाँच** प्रश्न दिये जाएँगे। प्रत्येक प्रश्न **16** अङ्कों का होगा। **प्रथम प्रश्न** पाठ्यक्रम में निर्धारित चारों घटकों पर आधारित तथा अनिवार्य होगा। इसके अन्तर्गत लघु उत्तर वाले विकल्परहित आठ (8) प्रश्न पूछे जाएँगे। प्रत्येक लघूत्तरात्मक प्रश्न दो (2) अङ्कों का होगा। शेष चार प्रश्नों में पाठ्यक्रम के प्रत्येक घटक से दो वैकल्पिक प्रश्न दिये जाएँगे। परीक्षार्थी को इनमें से प्रत्येक घटक के एक एक प्रश्न का उत्तर लिखना होगा।
3. प्रश्न-पत्र हल करने का समय तीन (3) घण्टे होगा।

—

प्रश्नपत्र-निर्माण के लिये निर्देशः-

1. प्रश्नपत्र में कुल पाँच (5) प्रश्न दिये जाएँ। प्रश्नपत्र के लिये कुल 80 अङ्क निर्धारित हैं। सभी प्रश्न समानाङ्क होंगे अर्थात् प्रत्येक प्रश्न सोलह (16) अङ्कों का होगा। प्रश्न-पत्र हल करने का समय तीन (3) घण्टे होगा।
2. **प्रथम प्रश्न** पाठ्यक्रम के चारों घटकों में निर्धारित विषयों के आधार पर बनाया जाए। यह प्रश्न अनिवार्य होगा। इसके अन्तर्गत लघु उत्तर वाले विकल्परहित आठ (8) प्रश्न पूछे जाएँ। प्रत्येक लघूत्तरात्मक प्रश्न दो (2) अङ्कों का होगा।

3. fद्वतीय, तृतीय, चतुर्थ तथा पञ्चम प्रश्न का निर्माण पाठ्यक्रम के क्रमशः प्रथम, द्वितीय, तृतीय तथा चतुर्थ घटक में निर्धारित विषय के आधार पर किया जाए। पाठ्यक्रम के प्रत्येक घटक से दो वैकल्पिक प्रश्न देकर परीक्षार्थी से प्रत्येक घटक से एक एक प्रश्न का उत्तर लिखने को कहा जाए।

☼

चतुर्थसत्रम्
Fourth Semester
w.e.f. Session : 2013-2014

Paper – VIII : अभिज्ञानशाकुन्तलम्
(Abhijnanashakuntalam)

पूर्णाङ्काः 80
आन्तरिकमूल्याङ्कनाङ्काः 20
समयः 3 होराः

घटकम्-I: महाकविः कालिदासः, अभिज्ञानशाकुन्तलम् (सम्पूर्णम्)– सप्रसंगं श्लोकव्याख्या। 16अङ्काः

घटकम्-II: अभिज्ञानशाकुन्तलम् (सम्पूर्णम्)– सूक्तिव्याख्या। 16अङ्काः

घटकम्-III: अभिज्ञानशाकुन्तलम् (सम्पूर्णम्)– आलोचनात्मकः प्रश्नः/अंकसारः/ चरित्र-चित्रणम्। 16अङ्काः

घटकम्-IV: अभिज्ञानशाकुन्तलनाटके प्रयुक्ताः पारिभाषिकशब्दाः – नायकभेदाः (धीरोदात्तः, धीरोद्धतः, धीरशान्तः, धीरललितः), पताकास्थानकम्, चतुर्विधम् अभिनयम्, आकाशभाषितम्, नेपथ्यम्, जनान्तिकम्, अपवारितम्, भरतवाक्यम्। 16अङ्काः

विशेष निर्देश–

1. प्रश्न-पत्र अधिकतम **80** अङ्कों का होगा। **20** अङ्क आन्तरिक मूल्यांकन के लिये निर्धारित हैं।
2. प्रश्न-पत्र में कुल **पाँच** प्रश्न दिये जाएँगे। प्रत्येक प्रश्न **16** अङ्कों का होगा। **प्रथम प्रश्न** पाठ्यक्रम में निर्धारित चारों घटकों पर आधारित तथा अनिवार्य होगा। इसके अन्तर्गत लघु उत्तर वाले विकल्परहित आठ (8) प्रश्न पूछे जाएँगे। प्रत्येक लघूत्तरात्मक प्रश्न दो (2) अङ्कों का होगा। शेष चार प्रश्नों में पाठ्यक्रम के प्रत्येक घटक से दो वैकल्पिक प्रश्न दिये जाएँगे। परीक्षार्थी को इनमें से प्रत्येक घटक के एक एक प्रश्न का उत्तर लिखना होगा।
3. प्रश्न-पत्र हल करने का समय तीन (3) घण्टे होगा।

—

प्रश्नपत्र-निर्माण के लिये निर्देशः-

1. प्रश्नपत्र में कुल पाँच (5) प्रश्न दिये जाएँ। प्रश्नपत्र के लिये कुल 80 अङ्क निर्धारित हैं। सभी प्रश्न समानाङ्क होंगे अर्थात् प्रत्येक प्रश्न सोलह (16) अङ्कों का होगा। प्रश्न-पत्र हल करने का समय तीन (3) घण्टे होगा।

2. **प्रथम प्रश्न** पाठ्यक्रम के चारों घटकों में निर्धारित विषयों के आधार पर बनाया जाए। यह प्रश्न अनिवार्य होगा। इसके अन्तर्गत लघु उत्तर वाले विकल्परहित आठ (8) प्रश्न पूछे जाएँ। प्रत्येक लघूत्तरात्मक प्रश्न दो (2) अङ्कों का होगा।
3. द्वितीय, तृतीय, चतुर्थ तथा पञ्चम प्रश्न का निर्माण पाठ्यक्रम के क्रमशः प्रथम, द्वितीय, तृतीय तथा चतुर्थ घटक में निर्धारित विषय के आधार पर किया जाए। पाठ्यक्रम के प्रत्येक घटक से दो वैकल्पिक प्रश्न देकर परीक्षार्थी से प्रत्येक घटक से एक एक प्रश्न का उत्तर लिखने को कहा जाए।

☼

Paper – IX : साहित्यदर्पणम्
(Sahityadarpanam)

पूर्णाङ्काः 80
आन्तरिकमूल्याङ्कनाङ्काः 20
समयः 3 होराः

घटकम्-I: विश्वनाथः, साहित्यदर्पणम्– तृतीयः परिच्छेदः, कारिकाः 1-20 16अङ्काः

घटकम्-II: साहित्यदर्पणम्– षष्ठः परिच्छेदः, कारिकाः 1-20 16अङ्काः

घटकम्-III: साहित्यदर्पणम्– अधोलिखिताः अलंकाराः – 16अङ्काः
अनुप्रासः, यमकम्, वक्रोक्तिः, श्लेषः, उपमा, रूपकम्, सन्देहः, भ्रान्तिमान्।

घटकम्-IV: साहित्यदर्पणम्– अधोलिखिताः अलंकाराः – 16अङ्काः
उत्प्रेक्षा, अतिशयोक्तिः, अर्थान्तरन्यासः, काव्यलिङ्गम्, विभावना, विशेषोक्तिः, विरोधः, अर्थापत्तिः।

विशेष निर्देश–

1. प्रश्न-पत्र अधिकतम **80** अङ्कों का होगा। **20** अङ्क आन्तरिक मूल्यांकन के लिये निर्धारित हैं।
2. प्रश्न-पत्र में कुल **पाँच** प्रश्न दिये जाएँगे। प्रत्येक प्रश्न **16** अङ्कों का होगा। **प्रथम प्रश्न** पाठ्यक्रम में निर्धारित चारों घटकों पर आधारित तथा अनिवार्य होगा। इसके अन्तर्गत लघु उत्तर वाले विकल्परहित आठ (8) प्रश्न पूछे जाएँगे। प्रत्येक लघूत्तरात्मक प्रश्न दो (2) अङ्कों का होगा। शेष चार प्रश्नों में पाठ्यक्रम के प्रत्येक घटक से दो वैकल्पिक प्रश्न दिये जाएँगे। परीक्षार्थी को इनमें से प्रत्येक घटक के एक एक प्रश्न का उत्तर लिखना होगा।
3. प्रश्न-पत्र हल करने का समय तीन (3) घण्टे होगा।

—

प्रश्नपत्र-निर्माण के लिये निर्देशः-

1. प्रश्नपत्र में कुल पाँच (5) प्रश्न दिये जाएँ। प्रश्नपत्र के लिये कुल 80 अङ्क निर्धारित हैं। सभी प्रश्न समानाङ्क होंगे अर्थात् प्रत्येक प्रश्न सोलह (16) अङ्कों का होगा। प्रश्न-पत्र हल करने का समय तीन (3) घण्टे होगा।
2. **प्रथम प्रश्न** पाठ्यक्रम के चारों घटकों में निर्धारित विषयों के आधार पर बनाया जाए। यह प्रश्न

अनिवार्य होगा। इसके अन्तर्गत लघु उत्तर वाले विकल्परहित आठ (8) प्रश्न पूछे जाएँ। प्रत्येक लघूत्तरात्मक प्रश्न दो (2) अङ्कों का होगा।

3. द्वितीय, तृतीय, चतुर्थ तथा पञ्चम प्रश्न का निर्माण पाठ्यक्रम के क्रमशः प्रथम, द्वितीय, तृतीय तथा चतुर्थ घटक में निर्धारित विषय के आधार पर किया जाए। पाठ्यक्रम के प्रत्येक घटक से दो वैकल्पिक प्रश्न देकर परीक्षार्थी से प्रत्येक घटक से एक एक प्रश्न का उत्तर लिखने को कहा जाए।

☼

Paper – X : संस्कृत-महाकाव्यकाराः, गद्यकाराः, नाट्यकाराः च
(Samskrita-Mahakavyakarah, Gadyakarah, Natyakarah Cha)

पूर्णाङ्काः 80
आन्तरिकमूल्याङ्कनाङ्काः 20
समयः 3 होराः

घटकम्-I:	संस्कृतमहाकाव्यकाराः – वाल्मीकिः, व्यासः, कालिदासः, अश्वघोषः।	16अङ्काः
घटकम्-II:	संस्कृतमहाकाव्यकाराः – भारविः, माघः, श्रीहर्षः।	16अङ्काः
घटकम्-III:	संस्कृतगद्यकाराः – बाणभट्टः, दण्डी, सुबन्धुः, अम्बिकादत्तव्यासः।	16अङ्काः
घटकम्-IV:	संस्कृतनाट्यकाराः – भासः, कालिदासः, शूद्रकः, भवभूतिः, श्रीहर्षवर्धनः।	16अङ्काः

विशेष निर्देश–

1. प्रश्न-पत्र अधिकतम **80** अङ्कों का होगा। **20** अङ्क आन्तरिक मूल्यांकन के लिये निर्धारित हैं।
2. प्रश्न-पत्र में कुल **पाँच** प्रश्न दिये जाएँगे। प्रत्येक प्रश्न **16** अङ्कों का होगा। **प्रथम प्रश्न** पाठ्यक्रम में निर्धारित चारों घटकों पर आधारित तथा अनिवार्य होगा। इसके अन्तर्गत लघु उत्तर वाले विकल्परहित आठ (8) प्रश्न पूछे जाएँगे। प्रत्येक लघूत्तरात्मक प्रश्न दो (2) अङ्कों का होगा। शेष चार प्रश्नों में पाठ्यक्रम के प्रत्येक घटक से दो वैकल्पिक प्रश्न दिये जाएँगे। परीक्षार्थी को इनमें से प्रत्येक घटक के एक एक प्रश्न का उत्तर लिखना होगा।
3. प्रश्न-पत्र हल करने का समय तीन (3) घण्टे होगा।

—

प्रश्नपत्र-निर्माण के लिये निर्देशः-

1. प्रश्नपत्र में कुल पाँच (5) प्रश्न दिये जाएँ। प्रश्नपत्र के लिये कुल 80 अङ्क निर्धारित हैं। सभी प्रश्न समानाङ्क होंगे अर्थात् प्रत्येक प्रश्न सोलह (16) अङ्कों का होगा। प्रश्न-पत्र हल करने का समय तीन (3) घण्टे होगा।
2. **प्रथम प्रश्न** पाठ्यक्रम के चारों घटकों में निर्धारित विषयों के आधार पर बनाया जाए। यह प्रश्न अनिवार्य होगा। इसके अन्तर्गत लघु उत्तर वाले विकल्परहित आठ (8) प्रश्न पूछे जाएँ। प्रत्येक लघूत्तरात्मक प्रश्न दो (2) अङ्कों का होगा।

3. द्वितीय, तृतीय, चतुर्थ तथा पञ्चम प्रश्न का निर्माण पाठ्यक्रम के क्रमशः प्रथम, द्वितीय, तृतीय तथा चतुर्थ घटक में निर्धारित विषय के आधार पर किया जाए। पाठ्यक्रम के प्रत्येक घटक से दो वैकल्पिक प्रश्न देकर परीक्षार्थी से प्रत्येक घटक से एक एक प्रश्न का उत्तर लिखने को कहा जाए।

☼